

# दण्डालय अनुमंडल दण्डाधिकारी, बगोदर- सरिया, गिरिडीह

## आदेश पत्रक

पक्ष

बनाम

सलीम, मिश्रा  
प्रथम पक्ष  
सलीम, मिश्रा, कुशु  
द्वितीय पक्ष

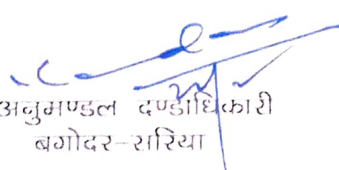
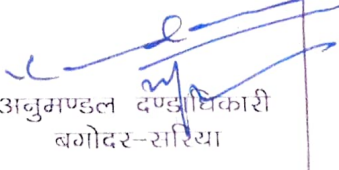
देखे अभिलेख हस्तक 1941 का नियम 129

आदेश पत्रक ता० ..... से ..... तक

जिला गिरिडीह।

विविध वाद संख्या ..... 24 ..... सन् 2023

धारा 144 द0प्र0स0

आदेश की क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
	<p>अभिलेख उपस्थापित। <del>श्यामा</del> प्रभारी/अंचल अधिकारी <u>विराजी</u> के ज्ञापांक सं० <u>161</u> दिनांक <u>21.02.2023</u> के द्वारा समर्पित किया गया जॉच प्रतिवेदन के अवलोकन के बाद मैं संतुष्ट हूँ कि भूमि विवाद को लेकर उभय पक्षों में शांति भंग होने की आशंका है एवं टकराव के लिए तत्पर हैं। इस बात से मैं संतुष्ट हूँ कि इस मामले में टकराव को दूर करने तथा इलाके में शांति बनाये रखने के लिए निरोधात्मक कार्रवाई आवश्यक है।</p> <p>इन तथ्यों के आलोक में उभय पक्षों के विरुद्ध धारा 144 द0प्र0स0 के अंतर्गत कार्यवाई प्रारंभ किया जाता है तथा उभय पक्षों को 60 दिनों के लिए विवादग्रस्त भूमि पर या उसके नजदीक जाने अथवा किसी भी तरह का कार्य करने के लिए प्रतिबंधित किया जाता है तथा रोका जाता है। साथ ही उभय पक्षों से दिनांक <u>9.3.2023</u> को कारणपृच्छ की मांग की जाती है कि क्यों नहीं एक या दोनों पक्षों के विरुद्ध निरोधात्मक आदेश को सम्पूष्ट किया जाय।</p> <p>अभिलेख दिनांक <u>9.3.2023</u> को उपस्थापित करें।</p> <p>लेखापित एवं संशोधित।</p>	
	<p> अनुमंडल दण्डाधिकारी बगोदर-सरिया</p>	<p> अनुमंडल दण्डाधिकारी बगोदर-सरिया</p>

20.4.23

प्रथम पक्ष उषा। द्वितीय पक्ष कालान्त  
एतद्विषय।

द्वितीय पक्ष के द्वारा  
कारण पुच्छर को दारिद्र्य  
किया गया साथ ही पक्ष  
सभूत के साथ दस्तावेज  
दारिद्र्य किया गया।

उमथ पक्ष के विडान  
अधिवक्ता को उन तथा  
दारिद्र्य दस्तावेजों का  
अवलोकन किया।

पश्चात्तम भूमि उमथ  
पक्षों की खतियानी भूमि है  
तथा विवाद का कारण  
आधी कदवारा एवं भूमि  
विक्रय को है, उमथ पक्ष

क्र. सं. और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
	<p>आपसी केवारा के आधार पर जमीन का दावा करने में तथा कुछ अंश की बिक्री भी करने में 1. डिग्री पक्ष के द्वारा विजन पत्र दिनांक 4.08.2008 दायर किया गया है जिले के अडलत (मौलु) केवारा के आधार पर जमीन का बिक्री उपर पक्ष के द्वारा किया गया है, पल-त पक्ष के द्वारा ही केवारा पर पक्ष प्रश्न उठाया जा रहा है। अतः उभय पक्ष को सख्त न्यायालय में जाने का निर्देश दिया जाता है।</p> <p>द. प्र. स. की धारा 144(4) के अंतर्गत कार्य की कार्रवाई समाप्त की जानी है।</p> <p style="text-align: right;">28/4.</p>	